छत्तीसगढ़

सहकारी समाचार

वर्ष- 21 अंक - 08 जुलाई 2024 द्वितीय अंक (पाक्षिक) RNI NO. CHHHIN/2012/45105 पृष्ठ-12 मूल्य 500/- वार्षिक

ग्रीन स्टील से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ ही खुलेंगे आर्थिक संभावनाओं के भी द्वार : सीएम साय

■ **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सीआईआई द्वारा आयोजित ग्रीन स्टील समिट 2024 में हुए शामिल**

रायपुर। क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने के लिए पूरी दुनिया ग्रीन स्टील की ओर रुख कर रही है। स्टील के उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक होने के नाते ग्रीन स्टील छत्तीसगढ़ के लिए भी बड़ी संभावनाएं लेकर आया है। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमें मदद मिलेगी, अपितु इस क्षेत्र में नवीन पहल कर हम बड़ी आर्थिक उपलब्धियों की संभावनाओं का द्वार खोल सकते हैं। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित मेफेयर लेक रिसार्ट में आयोजित ग्रीन स्टील समिट 2024 में शामिल होने के अवसर पर कही। इस समिट का आयोजन भारतीय इस्पात उद्योग को कार्बन रहित बनाने के उद्देश्य से किया गया है। समिट में देश भर के प्रमुख उद्योगपति, व्यापारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में सीआईआई को आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भारत का सबसे प्रमुख स्टील निर्माता है। हमारे यहां सार्वजनिक क्षेत्र के भिलाई स्टील प्लांट और नगरनार स्टील प्लांट जैसी बड़ी इकाईयां तो संचालित है ही, इसके साथ-साथ निजी क्षेत्र के अनेक छोटे-बड़े इस्पात संयंत्र संचालित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है और छत्तीसगढ़ में लोहे के विशाल भंडार हैं, जिनमें बैलाडीला, रावघाट और दल्लीराजहरा प्रमुख हैं। छत्तीसगढ़ का देश में कुल उत्पादित स्टील में लगभग 20 प्रतिशत तक का योगदान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की भागीदारी 53.50 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने इस्पात उद्योग से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण के वैश्विक चिंताओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने का दृष्टिकोण सामने रखा है। उन्होंने केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की सराहना की और राज्य में सौर ऊर्जा और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीआईआई का यह समिट भारतीय इस्पात उद्योग को कार्बन रहित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आज हम इस समिट में ग्रीन स्टील जैसे रोचक विषय पर बात कर रहे हैं। इस शब्द में खूबसूरती तो है ही, साथ ही साथ जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री ने समिट में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से ग्रीन स्टील उत्पादन की नई तकनीक को अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का आह्वान किया और कहा कि हमारी एकजुटता से हम स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण करते हुए मिलजुलकर विकास करेंगे। इस समिट में देश भर के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने ग्रीन स्टील उत्पादन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और नई तकनीकों पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सीआईआई के पदाधिकारी और उद्योगपति श्री आशीष सराफ़ श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्री सुवेन्द्र बेहरा, श्री संजय जैन, श्री पी वी किरण अनंत उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई सहित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

■ **विषम परिस्थितियों में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की सराहना की**

रायपुर। वन एवं जलावायु परिवर्तन मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने एक दिवसीय प्रवास पर बीजापुर पहुंचे। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य और केन्द्र प्रवर्तित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री श्री कश्यप कहा कि शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाना सुनिश्चित करें। योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई सहित जिले के विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले के विषम परिस्थिति के बावजूद विभागीय समन्वय के साथ विकास कार्यो में बेहतर प्रदर्शन के लिए अधिकारियों का उत्साहवर्धन भी किया। बैठक में बस्तर लोकसभा सांसद श्री महेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि बरसात के मौसम में मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मलेरिया उन्मूलन के लिए मच्छरदानी वितरण, डीडीटी छिड़काव सुनिश्चित करें। सर्पदंश के इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में एन्टी वेनम व अन्य मेडिसिन की व्यवस्था रखी जाए।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की उन्नति के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर ही है। शासन द्वारा किसान हितैषी योजनाओं का क्रियान्वयन की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के सहूलियत को ध्यान में रखते हुए उनके मांग के अनुरूप खाद और बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों को खेती-किसानी के संबंध में जरूरी पहलुओं की जानकारी कृषि विभाग के अधिकारी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से प्रदान करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री कश्यप ने केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना-प्रधानमंत्री आवास योजना, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, नियद नेल्लानार की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय ने जिले में सिंचाई का रकबा बढ़ाने, नियद नेल्लानार की प्रगति, बीजापुर के शांति नगर वार्ड में निवासरत नक्सल पीड़ित परिवारों दी जा रही आवश्यक सुविधाएं, रेल कॉरिडोर संबंधी प्रस्ताव आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार, डीएफओ श्री रामाकृष्ण, उप निदेशक इन्द्रावती टाईगर रिजर्व श्री संदीप बल्गा सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर के हरा सोना संग्राहकों को बैंक मित्र एवं बैंक सखियों से सीधे मिल रही पारिश्रमिक राशि

■ तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि से घर-परिवार की जरूरतें हो रही पूरी

जगदलपुर। बस्तर अंचल में तेंदूपत्ता को हरा सोना माना जाता है,जो वनांचल के संग्राहकों की अतिरिक्त आय का मुख्य जरिया है। गर्मी के दिनों में जब ग्रामीणों के पास न तो खेतों में काम होता है और न ही घर में कुछ काम, तब इसी तेंदूपत्ता यानी हरा सोना का संग्रहण उन्हें मेहनत एवं संग्रहण के आधार पर भरपूर पारिश्रमिक देता है। वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिये तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा की दर में हुई वृद्धि भी खुशियां जगा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा राशि 5500 रुपए किए जाने के बाद संग्राहकों में अपार खुशी है। वहीं तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि स्थानीय स्तर पर बैंक सखियों के माध्यम से भुगतान होने के फलस्वरूप विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के संग्राहकों को बहुत सहूलियत हो रही है। इसे मद्देनजर रखते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में जिले के अंदरूनी ईलाके के संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि का भुगतान बैंक मित्र और बैंक सखियों के माध्यम से किया जा रहा है। तेंदूपत्ता सीजन 2024 में संग्रहित तेंदूपत्ता का 36 हजार 229 संग्राहकों को 12 करोड़ 43 लाख 95 हजार 749 रुपए पारिश्रमिक राशि अपने गांव के बैंक मित्र एवं बैंक सखियों द्वारा की जा रही है।

लोहण्डीगुड़ा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम कुथर के तेंदूपत्ता संग्राहक आयतू और बैसू तेंदूपत्ता संग्रहण कर उसे समिति में बेचने का कार्य वर्षों से कर रहे हैं। एक सीजन में तीन से पांच से आठ हजार रूपए तक कमाई करने वाले इन संग्राहकों का कहना है कि वे सुबह से शाम तक पत्ते तोड़कर उसे गड्डी तैयार करते हैं, फिर फड़ में ले जाकर विक्रय करते हैं। उनका अधिकांश समय वन में ही गुजरता है। मुख्यमंत्री द्वारा 04 हजार रूपए प्रति मानक बोरा राशि की दर को 05 हजार 500 रूपए किए जाने पर खुशी जताते हुए बैसू ने कहा कि इससे उसके जैसे अनेक संग्राहकों को अच्छा लाभ मिला है।

दरभा ब्लॉक के ग्राम पखनार की रहने वाली संग्राहक मासे मंडावी एवं सुकली मंडावी का कहना है कि वह कई साल से तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य कर रही है। संग्राहकों के हित में 4000 की राशि 5500 रूपए प्रति मानक बोरा होने पर गरीब संग्राहकों को इससे फायदा होने की बात कही। बकावंड ब्लॉक के डिमरापाल निवासी सुकरी नेताम ने बताया कि वह खेती-किसानी के साथ-साथ तेंदूपत्ता संग्रहण का काम कई वर्षों से कर रही हैं।

किसानों को सुगमता से मिल रहा खाद-बीज

रायपुर। प्रदेश के किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 10.89 लाख मीट्रिक टन खाद जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत वितरित हो चुका है। इसी प्रकार किसानों को 8.64 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 88 प्रतिशत है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 39.28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र याने 81 प्रतिशत क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ सीजन में 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है।

सलोनी समिति के कृषक सदस्यों को मिला सहकारी प्रशिक्षण

खैरागढ़। 25 जुलाई को सेवा सहकारी समिति मर्यादित सलोनी जिला खैरागढ़ में एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में आयोजित किया गया। जिसमें समिति के प्रबंधक फित्तू राम वर्मा, श्री राकेश वर्मा सहायक समिति प्रबंधक एवं कृषक सदस्य कृष्ण कुमार, देवचरण वर्मा, राजाराम साहू, भागवत वर्मा, पुराणिक वर्मा नीलकंठ वर्मा, जितेंद्र देवांगन कविता धर्मेंद्र विष्णु एवं अन्य कृषक सदस्य उपस्थित थे। प्रशिक्षक श्री मोहनलाल दुबे द्वारा सहकारिता का अर्थ सिद्धांत महत्व एवं सहकारी समितियां के गठन पंजीयन के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

हरित क्रांति की सफलता में सहकारिता का महत्वपूर्ण योगदान : गोयल

बस्तर। बस्तर जिला के पंचायत खमर गांव में किसानों का सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वाधान में किया गया।

सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद ने किसानों का सहकारी प्रशिक्षण आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत पंचायत भवन में 23 व 24 जुलाई को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को सहकारी ऋण नीति तथा ब्याज दर के बारे में जानकारी प्रदान किया गया सरपंच श्री लेखन गोयल के द्वारा बताया गया कि सहकारी समिति के माध्यम से ही भारत में हरित क्रांति संभव हुआ है और किसान सहकारी समिति के माध्यम से सभी सुविधाएं प्राप्त कर रही हैं।

पंचायत गरावंड में सदस्यों का सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत बस्तर जिला के पंचायत गरावंड मे आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के सदस्यों का सहकारी प्रशिक्षण सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2024 को दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सेवा सहकारी समिति के उद्देश्य तथा सहकारी ऋण नीति के बारे में जानकारी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि सरपंच महादेव बघेल द्वारा सहकारिता का महत्व तथा सीएससी सुविधा के बारे में बताया गया।

दोगुना उत्पादन और लागत में कमी के चलते किसान अपना रहे है श्री पद्धति

■ **दंतेवाड़ा में किसानों ने श्री पद्धति से की 540 हेक्टेयर में धानी बोनी**

रायपुर। राज्य के सुदूर दंतेवाड़ा जिले में भी किसान श्री पद्धति को अपनाने लगे हैं। परंपरागत रूप से धान की बोनी के मुकाबले दोगुने उत्पादन और लागत में कमी इस पद्धति की खासियत है। चालू खरीफ मौसम में जिला प्रशासन और कृषि विभाग के संयुक्त प्रयास से 540 हेक्टेयर में धान की बोनी की गई है। जिले के अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ''श्री पद्धति'' से बोआई करने पर न केवल पानी की कम आवश्यकता पड़ती है साथ ही इस पद्धति से खेती करने में फसल में रोग भी लगने की संभावना भी कम रहती है। इसके अलावा ''श्री पद्धति'' के बोनी में उर्वरक और रासायनिक दवाओं, कीटनाशक का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसकी जगह ''ग्रीन मन्योर'' (हरी खाद) का उपयोग किया गया है। ''श्री पद्धति'' से खेती करने पर लगभग दो से ढाई गुना अधिक उत्पादन होगा। इसके लिए किसानों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। इस पद्धति से खेती के लिए जिले के विकासखंड गीदम, और दंतेवा?ा क्षेत्र के किसानों द्वारा अधिक रूचि दिखाई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि ''श्री पद्धति'' बोआई के अन्य लाभ में कम बीज से अधिक उत्पादन भी शामिल है। इसके अलावा धान की खेती करने में लागत भी कम आती है। परंपरागत खेती में एक हेक्टेयर में जहां 50 से 60 किलो बीज की जरूरत प?ती है, वहीं ''श्री पद्धति'' से धान की खेती में बीज जरूरत महज 5 से 6 किलो की ही होती है। ऐसे में किसानों को कम बीज में अधिक उत्पादन मिलेगा। जिला प्रशासन की पहल पर जिले में 600 हेक्टयर में श्री पद्धति से धान की बोनी का लक्ष्य रखा गया है इसके साथ ही 1200 हेक्टेयर रकबे में ग्रीन मैन्योर (हरी खाद) तैयार कर उत्पादकता को ब?ाने दिशा में कार्य किया जा रहा है।

वर्तमान में बारिश की स्थिति जिले में अच्छी होने के चलते किसानों को ''श्री पद्धति'' से खेती के लिए अनुकूल अवसर मिला है। इस संबंध में कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती की तैयारी से लेकर पौधों की रोपाई की पूरी जानकारी दी जा रही है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण के बारे में भी बताया जा रहा है। पिछले वर्ष तक जिले में महज एक सौ पचास हेक्टेयर में ही ''श्री पद्धति'' से किसान धान की खेती करते थे। जबकि इस वर्ष श्री पद्धति से धान की खेती का रकबा बढ़ाया गया है।

दिन में हो या रात में, अब कीचड़ में नहीं चलना पड़ता, बरसाती लाल को बरसात में

कोरबा। वह बरसात का मौसम ही था, जो ग्राम चुईया के बरसाती लाल के लिए हर बार मुसीबत बन जाती थीं। बरसात होते ही जहाँ उन्हें अपने कच्चे मकान में मुसीबत मोल लेना पड़ता था वही गाँव की वह गली भी थी जो पानी गिरते ही कीचड़ से इस तरह लथपथ हो जाती थी कि वह चाहकर भी खुद को कीचड़ से बचा नहीं पाता था। अब जब गाँव की गलियां पक्की हो गई है तो बचपन से ही नेत्रहीन बरसाती लाल अपनी छड़ी के सहारे अपनी गाँव की गली में एक छोर से दूसरे छोर तक घूम पाता है और ग्रामीणों से अपनी सुख दुख की कहानी भी साझा कर पाता है।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम चुईया में रहने वाले बरसाती लाल भरिया ने बताया कि उन्हें बचपन से ही दिखाई नहीं देता। वह सबकुछ महसूस कर अपनी छड़ी के सहारे इधर-उधर चल पाता है। उन्होंने बताया कि विगत कई साल तक गाँव की गली बरसात में कीचड़ से सराबोर हो जाती थी। इस बीच उनका पैदल चल पाना मुश्किल हो जाता था। चंद दूरी भी उन्हें कई किलोमीटर लंबी लगती थी। उन्होंने बताया कि गाँव की गलियां अब पूरी तरह से पक्की हो गई है। बरसाती लाल ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। पक्के घर का निर्माण चल रहा है। कुछ माह के भीतर उन्हें अपनी झोपड़ी से भी छुटकारा मिल जाएगा। उन्होंने बताया कि बरसात में खपरैल के कच्चे मकान में परेशानी उठानी पड़ती है। पानी टपकने से उन्हें भीगना पड़ जाता है। जल्दी ही पक्का मकान बन जाने के बाद उनकी बड़ी मुसीबत दूर हो जाएगी। 57 वर्षीय बरसाती लाल ने बताया कि वह अकेला रहता है। राशनकार्ड बना हुआ है और समय पर राशन मिलता है। पेंशन की राशि भी मिलती है। इस बरसात में पक्की सड़क पर चलकर खुशी महसूस कर रहे बरसाती लाल को इस बात की भी खुशी है कि जल्दी ही प्रधानमंत्री आवास योजना से उसका पक्का मकान भी पूरा हो जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास के निर्माण हेतु राशि स्वीकृत की है, जिससे अनेक हितग्राहियों को लाभ पहुंच रहा है।

सहकारिता से जुड़ने पर मिलेंगे रोजगार के अवसर

बस्तर। बस्तर जिला के आंगनबाड़ी केंद्र आठ परी सेमरा में 15 जुलाई को महिलाओं को सहकारी प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा किया गया। श्री झा द्वारा प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सहकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हे सहकारिता से जुडक़र सहकारिता के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने की जानकारी दी। उन्होने महिलाओं को सहकारी समिति के पंजीयन के बारे में भी बताया। महिला बाल विकास के कर्मचारी श्रीमती रुक्मणी मोर के द्वारा छोटे बच्चों को पोस्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई।

दुर्ग की ड्रोन दीदी की सफलता के उड़ान की कहानी

■ **बेटी का शौक पूरा करने शुरू किया मशरूम उत्पादन, साल भर में हो गई लाख रूपए की कमाई**

■ **मशरूम की खेती से एसएचजी दीदी को मिली जीवन की नई उड़ान**

रायपुर। दुर्ग जिले के छोटे से गाँव मतवारी में रहने वाली जागृति साहू की कहानी प्रेरणा से भरी हुई है। पढ़ी-लिखी जागृति ने दो विषयों में पोस्टग्रेजुएट और बी.एड. की डिग्री प्राप्त की है। बचपन से ही जागृति का सपना था कि वह एक शिक्षक बने, लेकिन किस्मत ने कुछ और ही लिखा था। किसी कारणवश वह अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाई, जिससे वह निराश हो गई।

जागृति के पति श्री चंदन साहू बताते है कि शिक्षक न बन पाने से जागृति के व्यवहार में बहुत परिवर्तन आया। निराशा की वजह से वे ज्यादा बात भी नहीं करती थी। वे कहते हैं ''मैंने उस वक्त सोचा कि किसी काम में व्यस्त होने से शायद इनका मन लगे। मेरी बेटी और मुझे मशरूम बहुत पसंद था तो मैंने उन्हें मशरूम की खेती करने का सुझाव दिया। बेटी की पसंद की वजह से जागृति ने यह कार्य प्रारंभ किया। देखते ही देखते बेटी की छोटी सी पसंद के लिए शुरू किया गया कार्य जागृति को उंचाईयों तक ले गया। धीरे-धीरे, उन्होंने अपनी रुचि को बढ़ाते हुए हर्बल गुलाल और घरेलू वस्तुएं बनानी शुरू कीं। साल 2019 में, जागृति ने 33 लाख रुपये का मशरूम बेचा, जो उनके मेहनत और समर्पण का परिणाम था। जागृति ने अपने साथ और महिलाओं को भी मुनाफ़ा दिलाया। वे अपने आस पास के गाँव की दीदियों को भी प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की राह दिखाई।''

जागृति का सफ़र यहीं नहीं रुका। जागृति ने शासन की योजनाओं का लाभ लिया और एक सामान्य महिला से अपनी अलग पहचान बनाई। मशरूम की खेती से नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करने पर उन्हें ÷मशरूम लेडी ऑफ़ दुर्ग÷ कहा जाने लगा। जागृति का सफ़र एक सामान्य महिला से लेकर लखपति दीदी बनने और आज ड्रोन दीदी के रूम में कृषि को उन्नति की ओर ले जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल नमो ड्रोन दीदी में चयनित होकर उन्होंने ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण लिया। आज वह एक प्रमाणित ड्रोन पायलट हैं और 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। ड्रोन के माध्यम से वह खेतों में दवाइयों का छिड़काव करती हैं और इस नई तकनीक का लाभ किसानों तक पहुंचाती हैं। इससे किसानों का समय तो बचता है साथ ही श्रम और खर्च भी कम होता है।

जागृति साहू की कहानी हमें सिखाती है कि किस तरह संघर्ष और मेहनत से किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है और सफलता प्राप्त की जा सकती है। वे बताती हैं की शुरू में लोग उनपर हंसा करते थे और आज उनकी मेहनत और राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार की लाभकारी योजनाओं की बदौलत लोग उनका उदाहरण देने लगे हैं।

जागृति शिक्षक तो नही बन पाई परंतु आज वे कई महिलाओं के लिए व्यवहारिक एवं व्यवसायिक शिक्षक की मिशाल हैं। जागृति कई महिलाओं को ड्रोन, मशरूम उत्पादन एवं घरेलू वस्तुओं के उत्पादन संबंधित तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण दे रही हैं। जिससे उनके साथ-साथ अन्य महिलाएं भी स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रही हैं। अपने कौशल व सरकार की योजना के माध्यम से ड्रोन दीदी जागृति ने स्वयं के साथ साथ अन्य महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों के विवाह की चिंता हुई दूर

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को दूर करना, शादी के मौके पर फिजुलखर्ची को रोकना, सामूहिक विवाह के आयोजन से सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है। गतदिवस को रायगढ़ जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 45 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कन्या के नाम से 35 हजार रूपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उपहार के रूप में बैग, श्रृंगार सामाग्री, कपड़े इत्यादि वर-वधु को दिया गया तथा जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र दिया गया।

इनमें से गोपालपुर, बोईरदादर की निवासी श्रीमती देवंती सिदार ने और भगवानपुर निवासी श्रीमती भारती ने बताया कि उनकी शादी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 16 जुलाई 2024 को हुई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उनका पंजीयन किया गया और इस योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि वे अभी अपने अपने पति के साथ बेहद खुश है। गरीबी के कारण परिवार वालों के लिए शादी कराना बहुत बड़ी चुनौती थी पर इस योजना के चलते यह चुनौती आसानी से हल हो गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवम् बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को धन्यवाद देते हुए हितग्राहियों कहा कि इस योजना ने हमारे माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर धूमधाम से विवाह करने समर्थ बना दिया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। महतारी वंदन योजना, महतारी जतन योजना, इनमें से और एक योजना है, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन लोगों को सहायता प्रदान किया जाता है जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। ऐसे परिवार की बेटियों को इस योजना का लाभ दिया जाता है। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की बेटियों को विवाह के लिए सरकार सहायता राशि प्रदान करती है।

किसान तुलेचंद को उद्यानिकी फसल से मिल रहा आर्थिक लाभ

नारायणपुर। किसान तुलेचंद को उद्यानिकी फसल से मिल रहा आर्थिक लाभजिले के ग्राम पंचायत महिमागवाड़ी निवासी तुलेचंद पिता हिरद जाति सामान्य है, जो खेती किसानी करके अपने एवं परिवार का पालन पोषण कर जीवन यापन कर रहे थे। जब उनको उद्यानिकी विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी मिली। विभागीय योजनाओं के विस्तार से जानकारी लेने के बाद उन्होंने उद्यानिकी के क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी मेहनत और विभागीय योजनाओं से मिले लाभ का नतीजा सामने आने लगा है और आज लाखों रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं। तुलेचंद ने 1 हेक्टेयर रकबा में उन्नत तकनीक से करेला, टमाटर, भिण्डी का ड्रिप के माध्यम से सिचाई एवं जैविक फसल प्रबंधन एवं उन्नत बीज का प्रयोग किया, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई। किसान तुलेचंद को अब धान्य फसलों की तुलना में वर्षभर में तीन से चार गुना अधिक आय प्राप्त हो रहा है।

तुलेचंद ने बताया कि वह उद्यानिकी विभाग से जुड़ने से पहले परम्परागत खेती करता था, जिससे उसे ज्यादा मुनाफा नही होता था। वर्ष 2022-23 में उसे संरक्षित खेती शेडनेट हाउस निर्माण की जानकारी मिली, जिससे उनको 50 प्रतिशत अनुदान पर 2000 वर्ग मीटर में शेडनेट हाउस प्राप्त हुआ।

उन्होने बताया कि अब वह शेडनेट हाउस में टमाटर, भिण्डी एवं करेला की फसल कर रहा है, जिसमें वह अब लगभग 50 हजार रूपये से अधिक आय प्राप्त कर रहा है। तुलेचंद ने बाताया कि अब तक वह 2 लाख रूपये तक की बिक्री किया है, जिसमें तुलेचंद को शुद्ध 1 लाख 50 हजार रूपये की आमदनी प्राप्त हुआ है। तुलेचंद ने बताया कि शेडनेट हाउस की खेती से उसे अच्छी आमदनी प्राप्त हो रहा है और उनकी घर की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

मुर्गी पालन से भरत लाल की संवरी जिंदगी

रायपुर। मनरेगा के तहत गांवों में पशुपालन के लिए आवश्यक अधोसंरचना के निर्माण से कई गांवों में ग्रामीणों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आने लगा है। मनरेगा के अंतर्गत पंचायत स्तर पर मछली पालन के लिए तालाब व डबरी का निर्माण पशुपालन एवं मुर्गी पालन शेड निर्माण के कार्य कराया जा रहा है। इन कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ ही उनके जीवन स्तर में काफी सुधार आ रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रहीं है।

मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत जुनवानी निवासी श्री भरत लाल टंडन के पास कोई रोजगार, व्यवसाय नहीं था। परिवार की आजीविका चलाने के लिए उन्हें अपने घर से दूर रह कर मेहनत, मजदूरी करना उनकी मजबूरी थीं। गांव में रोजगार सहायक द्वारा उन्हे मनरेगा के तहत कराये जा रहे कार्यो की जानकारी मिली। मनरेगा के तहत मुर्गीपालन के लिए 81 हजार रूपए की लागत से शेड निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ। इससे मनरेगा श्रमिकों को रोजगार भी मिला। मुर्गी पालन शेड निर्माण हितग्राही एवं मनरेगा श्रमिकों द्वारा पूरा किया गया। इस कार्य में 46 मानव दिवस सृजित किया गया। काम के पूरा होने पर भरत लाल मुर्गी पालन कर रहें है। श्री टंडन ने बताया की उन्हें मुर्गीपालन में एक वर्ष में 80 हजार रूपए का मुनाफा हुआ है। शेड बन जाने के बाद श्री टंडन को अपनी आजीविका चलाने में बड़ी राहत मिली है, जिससे उनकी आय में भी इजाफा हो रहा है। उन्हें अपने परिवार की अजीविका चलाने में अब कोई परेशानी नहीं हो रहीं है। श्री टंडन ने शासन को धन्यवाद देते हुए आभार जताया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दृष्टिबाधित पार्वती को मिला नया एन्ड्रायड फोन

■ सेल फोन से सुनकर पढ़ाई कर अपने सपनों को करेगी साकार पार्वती

रायपुर। दृष्टिबाधित पार्वती को नया एन्ड्रायड फोन मिलने से वह बेहद खुश है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन दंतेवाड़ा को विशेष धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न वर्गो के कल्याण के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। इसी तारतम्य में मुझे आज जिला प्रशासन की विशेष पहल पर समाज कल्याण विभाग द्वारा नया एन्ड्रायड फोन प्राप्त हुआ है। अब इस सेल फोन के माध्यम से सुनकर पढ़ाई करूंगी तथा अपने सपनों को साकार करने में यह सेल फोन मेरे लिए मददगार होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बेटियों की शिक्षा के प्रति सजग है और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने पाठ्य पुस्तक, सायकिल और अन्य सुविधाएं राज्य शासन द्वारा प्रदान की जा रही है। जिससे बेटियों शिक्षित होकर आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सके। जिला दन्तेवाड़ा के ग्राम मटेनार के निम्न मध्यमवर्गीय कृषक परिवार की 18 वर्षीय दृष्टिबाधित ''पार्वती'' के लिए दृष्टिहीनता पढ़ाई में कभी बाधक नहीं बन पाई। शिक्षा के प्रति इसी ललक को दृष्टिगत रखते हुए प्रोत्साहन स्वरूप जिला प्रशासन द्वारा उसे आज एंड्रॉयड सेल फोन दिया गया। इस संबंध में ''पार्वती'' के बड़े भाई मनीराम ने बताया कि उसकी बहन जन्म से ही दृष्टिबाधित थी, परन्तु पढ़ाई लिखाई के प्रति उसका झुकाव बचपन से ही रहा है। अपनी इसी इच्छाशक्ति के बल पर उसने अपनी प्राथमिक शिक्षा की पढ़ाई ग्राम बड़े पनेड़ा से पूरा किया। फिर हाई स्कूल तक की पढ़ाई के लिए उसने जावंगा स्थित सक्षम-2 में दाखिला लिया।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा

एजुकेशन हब जावंगा स्थित सक्षम-2 आवासीय विद्यालय में दिव्यांग छात्र-छात्राओं के अध्ययन की विशेष व्यवस्था की गई है। पार्वती पोडियाम ने यहां पर सफलतापूर्वक 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह रायपुर स्थित डिग्री गर्ल्स कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। इस संबंध में उसके भाई का कहना था कि उक्त महाविद्यालय में इसी वर्ष ''पार्वती'' ने प्रवेश लिया है। जहां उसके ही समान दृष्टिहीन दिव्यांगों को विशेष तौर पर अध्ययन कराया जाता है। चूंकि अब आधुनिक सेल फोन में दिव्यांगजनों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रकार के एप की सुविधा उपलब्ध कराया गया है, जिसमें दिव्यांग छात्र-छात्राएं सुनकर ही अपने पाठ्यक्रम को भलि-भांति समझ कर पढ़ाई कर सकते हैं और ''पार्वती'' पोडियाम ने ब्रेल लिपि के माध्यम से ही जावंगा के सक्षम-2 आवासीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता से तीन को मिली अनुकंपा नियुक्ति

■ **शारदा, प्रमिला, एवं अन्नपूर्णा बनेंगी अपने परिवार का सहारा**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सरकार लोगों के हित में त्वरित कार्य कर रही है। समय सीमा के अंदर जरूरतमंद परिवार को अनुकंपा नियुक्ति मिल सकें, शासन इस पर लगातार प्रयास कर रही है। गरियाबंद जिले की श्रीमती शारदा पटेल, श्रीमती प्रमिला कुर्रे एवं सुश्री अन्नपूर्णा ध्रुव को अनुकम्पा नियुक्ति मिल गई है। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने तीनों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया। शासन की त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

ग्राम देवरी जिला जांजगीर चांपा की रहने वाली श्रीमती शारदा पटेल ने बताया कि उनके पति व्याख्याता के रूप में हायर सेकेण्डरी स्कूल अकलवारा में पदस्थ थे। उनके निधन के बाद भृत्य पद के रूप में अनुकंपा नियुक्ति शासकीय हाईस्कूल लोहझर में मिली है। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के पालन पोषण एवं देखरेख में सहायता मिलेगी। साथ ही भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसी प्रकार मचेवा जिला महासमुंद की रहने वाली श्रीमती प्रमिला कुर्रे के पति शिक्षक (एलबी) के रूप में शासकीय मीडिल स्कूल गुड़ेमा में पदस्थ थे। उनके निधन के पश्चात उन्हें भृत्य के रूप में शासकीय हाईस्कूल सेमरा में अनुकंपा नियुक्ति मिली। उन्होंने बताया कि पति के जाने के बाद भविष्य चिंतित था। छत्तीसगढ़ शासन की पहल से अनुकंपा नियुक्ति मिलने से बच्चों के पढ़ाई -लिखाई एवं भविष्य सृजन में मदद होगी। मैनपुर अंतर्गत ग्राम गोना के निवासी सुश्री अन्नपूर्णा ध्रुव के पिता शासकीय मीडिल स्कूल गरहाडीह में शिक्षक (एलबी) के पद पर पदस्थ थे। उनके निधन के पश्चात राज्य शासन की संवदेनशीलता के कारण त्वरित रूप से अन्नपूर्णा को भृत्य पद में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल शोभा में अनुकंपा नियुक्ति दी गई है।

कृषि उत्पादकता में कारगर है सौर ऊर्जा

रायपुर। सौर ऊर्जा के उपयोग से कृषकों के उत्पादन क्षमता में वृद्धि के फलस्वरूप उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। सौर किरण ऊर्जा के गैर परंपरागत एवं नवीकरण योग्य स्रोतों का सर्वाधिक प्रमुख माध्यम है, जिसमें सोलर फोटोवोल्टाइक सेल की मदद से सौर किरणों को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। इस ऊर्जा एवं आधुनिक कृषि तकनीक के मेल से कृषि उत्पादकता में वृद्धि कर जिले दंतेवाड़ा के कृषकों को लाभान्वित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस क्रम में गीदम ब्लॉक अन्तर्गत ग्राम बड़े तुमनार में लगभग 27 लाख रुपये लागत का सोलर फार्म स्टेशन स्थापित किया गया है। इस सोलर फार्म स्टेशन से कृषक पंपों का ऊर्जीकरण करके न केवल सिंचाई क्षमता को बढ़ाया जायेगा बल्कि इसके द्वारा विभिन्न प्रकार के आधुनिक कृषि मशीनरी जैसे ''थ्रेसर और बीडर'' आदि उपकरण भी संचालित होंगे, जिन्हें अब तक विद्युत ऊर्जा के माध्यम से चलाया जाता था।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा जिला में सौर ऊर्जा से संचालित धान कुटाई की लघु मिल भी स्थापित की गई है जो पूर्णतः सौर ऊर्जा से संचालित होगी। इस संबंध में इस सोलर फार्म स्टेशन के ऑपरेटर ने बताया कि इस सौर उर्जीकृत लघु मिल से धान से निकलने वाले चावल की गुणवत्ता बेहतर होती है और चावल भी कम टूटते हैं। साथ ही खेती में काम आने वाले अन्य मशीन भी इसके माध्यम से आसानी से चलाये जा सकते हैं। जिससे किसानों को समय और श्रम की बचत होगी। इसके लिए कृषकों के एक समूह को सोलर पावर स्टेशन संचालित करने का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम बड़े तुमनार के निकटस्थ बहने वाली तुमनार नदी के किनारे लगभग 10 किसानों की कृषि भूमि है जहां की खेती किसानी ही उनके आय का प्रमुख जरिया है और वे पुराने तौर तरीकों से खेती करते चले आ रहे हैं। वर्षा ऋतु में उन्हें आम तौर पर सिंचाई की आवश्यकता नहीं रहती परन्तु मानसून इतर मौसम में फसलों के लिए पानी की समस्या हमेशा उनके सामने खड़ी होती थी। इन किसानों का कहना था कि अब तक वे बारिश के भरोसे ही खेती करते और अधिकतर किसानों के पास विद्युत पंप की सुविधा न होने से दूसरी फसल लगाने में उन्हें दिक्कत होती थी। परन्तु अब सोलर पावर स्टेशन स्थापित होने से बारहमासी पानी की व्यवस्था हो सकेगी, जिससे किसान दोहरी-तिहरी फसल ले सकने में सक्षम होंगे।

बड़े तुमनार ग्राम के सरपंच श्री गुड्डी राम कश्यप ने बताया कि सोलर पावर स्टेशन लगने से यहां के कृषकों में उत्साह का माहौल है। श्री कश्यप ने कहा कि सौर ऊर्जा के माध्यम से चलने वाले सभी प्रकार की कृषि मशीनरी का प्रयोग भी स्थानीय कृषकों ने सीख लिया है और अब इसका लाभ वे खरीफ सीजन के पश्चात् रबी फसलों में लाभ लेने के लिए उत्सुक हैं।

सुमन ने धागों से रफू कर दी गरीबी

रायपुर। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं की जिदंगी संवार रही है। महिलाएं शासन द्वारा हर महीने मिलने वाले एक हजार रूपए को अपने घर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। कुछ महिलाएं इस राशि को बचाकर अपने जीवकोपार्जन की नई राह बनाने की ओर अग्रसर होने लगी है। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक 4 की निवासी सुमन ने महतारी वंदन योजना से मिली मासिक मदद से एक सेकेण्ड हैंड सिलाई मशीन खरीद ली। जिससे सिलाई कर वे अब अपना घर खर्च चला रही है। पहले वे पड़ोसी के घर जाकर सिलाई करती थी, जिससे उनका मुनाफा नही हो पाता था। स्वयं के सिलाई मशीन खरीदने से अब उन्हें ज्यादा बचत होने लगी है।

श्रीमती सुमन विश्वकर्मा कहती है कि महिला सशक्तिकरण को उत्प्रेरित करने वाली महतारी वंदन योजना के तहत हर माह एक हजार रुपए की राशि उनके खाते में पहुंच रही है। मोदी जी की गारंटी और विष्णु देव के सुशासन से ही आज मेरे बैंक खाते में प्रतिमाह एक हजार रुपए आ रहे, मुझ जैसी महिलाओं के लिए वरदान है।

प्रदेश में महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ÷महतारी वंदन योजना÷ लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत राज्य की विवाहित, विधवा परित्यक्ता और तलाकशुदा जिनकी उम्र 21 वर्ष से अधिक हो ऐसी महिलाओ को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरूआत की गई थी।

जनसमस्या निवारण शिविर में 104 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

■ **विधायक श्री इंद्रकुमार साहू एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह शिविर में हुए शामिल**

■ **हितग्राहियों को मछली जाल व आइस बॉक्स का वितरण**

रायपुर। अभनपुर ब्लॉक के ग्राम पलौद में 30 जुलाई 2024 को जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे और उनकी समस्याओं को दर्ज करने के बाद निराकरण किया गया। शिविर में विधायक श्री इंद्रकुमार साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह व एसएसपी श्री संतोष सिंह शिविर में शामिल हुए और उन्होंने हितग्राहियों को मछली जाल व आइस बॉक्स का वितरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पलौद के जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। जहां पर विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर आवेदन के माध्यम से प्रकरण दर्ज किया। इस दौरान 104 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसमें 4 शिकायत के मामलों का भी निराकरण हुआ। जनसमस्या निवारण शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, राशन कार्ड, उज्जवला गैस योजना समेत विभिन्न प्रकार आवेदन प्राप्त हुए गए। अन्य आवेदनों का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को भेज दी गई है।

समिति को सौपा पंजीयन प्रमाण पत्र

शिविर के सहकारिता विभाग स्टाल में उप आयुक्त सहकारिता जिला रायपुर श्री एन आर के चंद्रवंशी ने जय बजरंग मत्स्य सहकारी समिति गिरहोला को पंजीयन प्रमाण पत्र एवं पंजीयन दस्तावेज सौंपा। इस अवसर पर सुमीत डडसेना सहकारिता विस्तार अधिकारी अभनपुर भी उपस्थित रहे।

सहकारी आन्दोलन को जन-जन तक पहुंचाने में राज्य सहकारी संघ के शिक्षा प्रशिक्षण की बड़ी भूमिका

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला बस्तर के ग्राम छेपरागुड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं का एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 12 जुलाई को किया गया।

कसडोल। 25 जुलाई को कसडोल ब्लॉक के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति छरछेद में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षक राजेश कुमार साहू द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे सहकार से समृद्धि विषय पर चर्चा की गई।

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वावधान में 24 जुलाई 2024 को सेवा सहकारी समिति मर्यादित कामठा, जिला –खैरागढ़ में एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के सहायक प्रबंधक श्री संजय कुमार धर्मेंद्र, लिपिक श्री राजू पटवा एवं कृषक सदस्य श्री रुपेश वर्मा, दीपक बंजारे, श्रीमति कौशल्या यादव व अन्य कृषक सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षिका आराधना वर्मा द्वारा सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, सहकारी समितियां के गठन पंजीयन के विषय में एवं छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

बस्तर। प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा 16 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वाधान में जिला बस्तर के ग्राम धोबीगुड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं का एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें सहकारिता का अर्थ महत्व सिद्धांत समूह का गठन समूह का उद्देश्य व्यवसाय विकास बैंक लिंकिंग मछली पालन मुर्गी पालन तथा दोना पत्तल निर्माण आदि पर दिया गया।

बलौदाबाजार। 26 जुलाई को टुंड्रा ब्लॉक जिला बलौदाबाजार के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कटगी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षक पुरूषोत्तम सोनी व राजेश साहू ने सहकार से समृद्धि,वित्तीय समावेशन, पी एम बीमा योजना एवं प्रबंधन के मुख्य बिंदु पर चर्चा की गई।

बस्तर। जिला बस्तर के ग्राम करीतगांव के पंचायत भवन में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वाधान में कृषक भाइयों का सदस्य वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 25 व 26 जुलाई को किया गया।

बलौदाबाजार। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सेल कसडोल ब्लॉक में 26 जुलाई 2024 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षक पुरूषोत्तम सोनी द्वारा सहकार से समृद्धि, अधिनियम के मुख्य बिंदु पर चर्चा की गई।

कसडोल। राज्य सहकारी संघ प्रशिक्षक पुरूषोत्तम लाल सोनी द्वारा 25 जुलाई को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कसडोल ब्लॉक के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मटिया में आयोजित किया गया। जिसमें पीएल सोनी द्वारा सहकार से समृद्धि, अधिनियम के मुख्य बिंदु पर चर्चा की गई।

बस्तर। महिला सहकारी प्रशिक्षण आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत बस्तर जिला के बाबू सेमरा गांव में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा दिनांक 17 जुलाई को सहकारी प्रशिक्षण आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में महिलाओं को सहकारिता के माध्यम से रोजगार प्रास करना तथा सहकारिता का अर्थ, महत्व, लाभ, उद्देश्य के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला बस्तर के ग्राम दशापाल के पंचायत भवन में कृषक भाइयों का सदस्य वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा 23 व 24 जुलाई को किया गया।

पहाड़ी कोरवाओं को मिला रोजगार तो समाज के बच्चे पहुँचने लगे शिक्षा के द्वार

- पालक भी हुए जागरूक, आश्रम में कराया दाखिल
- दाखिला के साथ नई किताबें, ड्रेस,बेड पाकर खुश हुए

कोरबा। पहाड़ी कोरवा श्री गुरवार सिंह, बिरसराम, करम सिंह वनांचल के सारबाहर,छातीबहार के रहने वाले हैं। आज इन्हें मलाल है कि उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई नहीं की। किसी ने पांचवीं तक तो किसी ने आठवी से पहले ही स्कूल और पढ़ाई से नाता तोड़ लिया था। बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले इन पहाड़ी कोरवाओं का कहना है कि काश उन्होंने उस वक्त पढ़ लिया होता। बीच में पढ़ाई नहीं छोड़ी होती तो आज उन्हें जंगल में बकरी चराना नहीं पड़ता। वे भी किसी स्कूल और अस्पताल में नौकरी कर रहे होते और उन्हें गरीबी से नहीं जूझना पड़ता। हालांकि उनका कहना है कि घर परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और उन्हें कोई बताने वाला भी नहीं था,इसलिए वे स्कूल नहीं जा सके। अब जबकि पहाड़ी कोरवाओं को नौकरी मिलने लगी हैं तो उन्हें भी लगने लगा है कि पढ़ाई का बहुत महत्व है और इस महत्व को समझते हुए इन्होंने अपने बच्चों को छठवीं से आगे की पढ़ाई कराने लेमरू के आश्रम में दाखिला कराया। आश्रम में इन पहाड़ी कोरवा बच्चों को निःशुल्क किताबे, गणवेश के साथ सोने के लिए बिस्तर आदि दिया गया।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत सारबहार के पहाड़ी कोरवा गुरवार सिंह ने अपने बेटे अमित कुमार,बिरस राम ने अपने बेटे रंजीत और और छातीबहार के करम सिंह ने अपने बेटे सोनू को कक्षा छठवीं की पढ़ाई कराने के लिए लेमरू के अनुसूचित जनजाति आश्रम में दाखिला कराया। गुरवार सिंह ने बताया कि उन्हें मालूम हुआ कि कोरबा जिले में पहाड़ी कोरवाओं के लड़के-लड़कियों को स्कूल और अस्पताल में नौकरी दी जा रही है। उनका बेटा पांचवी पास है। इसलिए नौकरी नहीं मिली है। अब आगे की पढ़ाई कराना है इसलिए लेमरू के आश्रम में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि हम पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का घर में रहकर पढ़ाई कर पाना मुश्किल हो जाता है। जंगल के आसपास रहने से बच्चे जंगल की ओर चले जाते हैं। आश्रम में एक जगह रहकर पढ़ाई करना आसान हो जाएगा। भोजन भी समय पर मिलेगा। छातीबहार के करम सिंह ने अपने बेटे सोनू का दाखिला कराया। उन्होंने बताया कि उनका जीवन गाँव में जंगल में भटकते हुए कटता है। घर में 7 सदस्य है। उनकी एक बेटी को देवपहरी के आश्रम में और अपने बेटे सोनू को लेमरू के आश्रम में भर्ती कराया है। आश्रम में व्यवस्था देखकर खुशी है कि बेटा-बेटी यहाँ आगे कि पढ़ाई बिना इधर-उधर भटके कर लेगा। यहाँ समय पर सोना-जागना,नहाना,खाना होगा तो निश्चित ही पढ़ाई में मन लगेगा और ज्यादा कक्षा पढ़कर नौकरी पा सकेगा। बिरस राम ने अपने बेटे रंजीत को कक्षा 6 वी में भर्ती कराने के बाद कहा कि पहले हम अपने बच्चों को अपने पास ही घर में रखते थे। जब कही जाते थे,बच्चे भी साथ चले जाते थे। इससे स्कूल भी छूट जाता था। अब हमें पढ़ाई का महत्व मालूम हुआ है। इसलिए आश्रम में अपने बेटे को भर्ती कराया है। वह अच्छे से पढ़ाई करके नौकरी पायेगा तो वह अपने परिवार को अच्छा रख सकेगा। इधर आश्रम में दाखिले और स्कूल में भर्ती के साथ ही पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों को यहाँ नई ड्रेस,किताबें और अपने सोने के लिए लाइट-पंखे लगे हुए कमरे और अलग से बिस्तर पाकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। उनका कहना है कि हम यहाँ अच्छे से रहकर पढ़ाई करेंगे और नौकरी मिलेगी तो वह भी करेंगे। आश्रम के अधीक्षक और हेड मास्टर श्री रामनारायण भगत ने बताया कि आश्रम में अनुशासन के साथ बच्चों को समय पर पढ़ना,भोजन,खेलकूद कराया जाता है। यहाँ उन्हें दो टाइम भोजन,रविवार को विशेष भोजन, तेल,साबुन भी दी जाती है। आश्रम में पहले से ही पहाड़ी कोरवा 3 बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर दो दिव्यांगों को मिली बैटरी चलित ट्राई सायकल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा दो दिव्यांग को बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्राई सायकिल उपलब्ध कराया गया है। बैटरी चलित ट्राई सायकिल पाकर दिव्यांग टिकेश्वर और गौरी ने मुख्यमंत्री श्री साय और जिला प्रशासन का आभार जताया है।

महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम अठारहगुड़ी के रहने वाले 34 वर्षीय दिव्यांग श्री टिकेश्वर पटेल और ग्राम रेमडा निवासी 30 वर्षीय गौरी खंडेल कलेक्टर श्री प्रभात मिलक के हाथों ट्राई साइकिल पाकर वे दोनों बहुत खुश हैं। दोनों दिव्यांगों को पहले आने-जाने के लिए परिजन या किसी व्यक्ति का सहारा लेना पड़ता था। मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिल जाने से अब उन्हें गांव या गांव से बाहर आने-जाने में आसानी होगी। दिव्यांग टिकेश्वर पटेल ने बताया कि अब उन्हें अपने व्यवसाय के द्वारा आर्थिक स्थिति में और सुधार करने का मौका मिलेगा। इसी तरह गौरी खंडेल ने कहा कि मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से मुझे अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिला है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह ने बताया कि दोनों 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं, इसलिए ऑटोमेटिक ट्राई साइकिल समाज कल्याण विभाग द्वारा दी गई है। ताकि वे अपने रोजमर्रा के काम सरलता से कर सके तथा स्व रोजगार से अपना जीवन यापन कर सकें।

उद्यानिकी फसल से कावेराम को हो रही लाखों की आमदनी

रायपुर। नारायणपुर जिले के ग्राम भुरवाल के रहने वाले किसान कावेराम खेती से लाखों रूपए का मुनाफा कर रहे है, कावेराम ने कभी नहीं सोचा था कि वह कभी उन्नतशील किसान की श्रेणी में खड़े हो सकेगा, लेकिन जब उसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से जुड़े विभागीय योजनाओं के विस्तार से जानकारी मिला। तब उसने उद्यानिकी के क्षेत्र में कार्य करना शुरू कर दिया, धीरे-धीरे उनकी मेहनत और विभागीय योजनाओं से मिले लाभ का नतीजा सामने आने लगा और वे आज लाखों रूपए कमा रहा है। इससे उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव आना शुरू हो गया। कावेराम ने 1 हेक्टेयर रकबा में जैविक फसल प्रबंधन एवं उन्नत बीज का प्रयोग करते हुए मिर्च, टमाटर, करेला जैसे सब्जियां लगाया है। इसमें ड्रिप के माध्यम से सिंचाई व्यवस्था कर रहे है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। किसान कावेराम को अब धान्य फसलों की तुलना में वर्षभर में तीन से चार गुना अधिक आय प्राप्त हो रहा है।

जल जीवन मिशन ने बदली भुईगांव के ग्रामीणों की जिंदगी

- पेयजल की समस्या से मिली निजात, ग्रामीणों की आजीविका में हुआ सुधार

रायपुर। ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र शासन द्वारा शुरू की गई योजना जल जीवन मिशन से कई गांवों में पेयजल की समस्या दूर हो रही है। इससे न केवल शुद्ध पेयजल मिल रहा है बल्कि ग्रामीण जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार पूरे छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन का कार्य तेजी से संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर बस्तर कांकेर जिले के चारामा विकासखण्ड के ग्राम भुइगांव जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित एक ऐसा गांव है, जहां वर्षों से पीने के साफ पानी के लिए संघर्ष कर रहे ग्रामीणों को जल जीवन मिशन के तहत् पेयजल की समस्या से निजात मिली है। पहले गांव के लोग, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, हर दिन लंबी दूरी तय कर पानी लाते थे, जिससे उन्हें शारीरिक श्रम के साथ-साथ समय भी अधिक लगता था। ग्रामीणजन और सरपंच इस समस्या से निजात पाने का प्रयास कर रहे थे। कई ग्रामीण पानी की कमी के कारण बोर खुदवाने को भी मजबूर थे। ऐसे में गांव का भूजल स्तर भी कम होने लगा था।

ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल प्रदाय कराने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संभाग कांकेर द्वारा जलजीवन मिशन के तहत ग्राम भुइगांव में पानी की समस्या को दूर करने के लिए योजना बनाई गई और सबसे पहले, गांव में पानी की कमी की सही स्थिति का आंकलन किया गया। इसके बाद नल से जल आपूर्ति के लिए कार्य शुरू किया गया और गांव के प्रत्येक घर में नल कनेक्शन प्रदाय करने के लिए पाइपलाइन बिछाई गई। पानी टंकी का निर्माण कर गांव के पास स्थित एक जलस्रोत से पाईपलाइन के माध्यम से पानी गांव तक पहुंचाया गया और जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच की व्यवस्था की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि ग्रामीणों को जल की गुणवत्ता की जांचने का प्रशिक्षण देकर जल परीक्षण किट्स वितरित की गई है, जिससे ग्रामीण स्वयं पानी को परख कर सकें।

ग्रामवासियों को जलजीवन मिशन के महत्व और लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया। गांव में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और जागरुकता रथ से ग्रामीणों को जल संरक्षण और स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया, साथ ही जल प्रबंधन, जल संरक्षण और स्वच्छता पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जल की गुणवत्ता की जांच करने और जल स्रोतों को सुरक्षित रखने के तरीकों की भी जानकारी दी गई। जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी इस टंकी ने गांव में सिर्फ पानी ही नहीं, बल्कि एक नई उम्मीद भी लाई। गांव के लोगों की आजीविका में भी सुधार हुआ और वे आत्मनिर्भर बनने लगे।

कड़ुवाहट भरी जिंदगी में आई मिठास, नौकरी ने पहाड़ी कोरवाओं के जीवन में लाया उल्लास

■ स्वास्थ्य विभाग में मिली नौकरी से पहाड़ी कोरवाओं की बदल रही जीवनरेखा

रायपुर। यह पहाड़ी कोरवा समारिन बाई है। कुछ दिन पहले तक इन्हें गिनती के कुछ लोग ही जानते थे। यह सिर्फ इनकी ही बात नहीं है। इनके गाँव की भी यहीं बात है। घने जंगल के बीच मौजूद इनके गाँव टोकाभांठा को भी बहुत कम लोग जानते हैं। मुख्य सड़क से दूर टोकाभांठा में रहने वाली पहाड़ी कोरवा समारिन बाई का जीवन भी घने जंगल में बसे गाँव की तरह गुमनाम सा था। जहाँ सुबह का सूरज तो रोज निकलता था, लेकिन इनकी जिंदगी में गरीबी का अंधेरा जस का तस रहता था। दिन के उजाले में पहाड़ के नजदीक पहाड़ जैसी जिंदगी जीने वाली समारिन बाई ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन उन्हें नौकरी मिल जायेगी और अंधेरे से घिरी गरीबी को दूर कर कड़ुवाहट भरी जिंदगी में मिठास तथा जीवन में उल्लास का उजियारा लाएगी।

कोरबा जिले के अजगर बहार ग्राम पंचायत के अंतर्गत ग्राम टोकाभांठा में रहने वाली समारिन बाई अब पहले से काफी बदल गई है। उनकी जिंदगी और रहन-सहन में बदलाव की शुरुआत हाल ही के दिनों से हुई है। जिला प्रशासन की पहल पर जब विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा था तब समारिन बाई की शिक्षा भी बहुत काम आई। कक्षा दसवीं तक पढ़ी समारिन बाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू में वार्ड आया की नौकरी मिल गई। फिर क्या था, जंगल में बकरी चराने वाली और गरीबी की वजह से आर्थिक तंगी से जूझने वाली समारिन बाई अस्पताल में अलग रूप में नज़र आ रही है। ट्रे में दवाइयां लेकर मरीजों के वार्ड तक और डॉक्टर, नर्स के साथ उनके आस-पास समारिन का दिन गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन वह सरकारी अस्पताल में अपनी ड्यूटी करेगी। उन्हें तो लगता था कि हम पहाड़ी कोरवाओं की जिंदगी गरीबी के बीच जंगल में उनके पुरखों की तरह ही कठिनाइयों के बीच बीतेगी।

पहाड़ी कोरवा समारिन बाई का कहना है कि उनका समाज ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है। जंगल में गरीबी के बीच बहुत ही विषम परिस्थितियों में जीवन-यापन करना पड़ता है। ऐसे में शिक्षा से जुड़ पाना संभव नहीं हो पाता। खासकर लड़कियों को घर के काम करने पड़ते हैं, उनका स्कूल जाना और पढ़ाई पूरी कर पाना बहुत चुनौती है। मैंने किसी तरह पढ़ाई तो कर ली थी लेकिन नौकरी मिलेगी यह कभी सोचा ही नहीं था। समारिन बाई ने बताया कि उन्हें अस्पताल में नौकरी मिली है। इस जगह में रहकर वह जान पा रही है कि अन्य समाज के साथ कैसे रहना है। किस तरह पढ़ाई कर महिलाएं काम कर रही है। यहाँ बहुत कुछ सीखने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अभी मानदेय में जो राशि मिल रही है उससे घर का खर्च चला रही है। भविष्य में कुछ पैसे बचत करने की कोशिश भी करेगी ताकि अपने बच्चों का भविष्य बना पाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू में ही पहाड़ी कोरवा समार साय, बुधवार सिंह की भी स्वच्छक तथा वार्ड बॉय के रूप में नौकरी लगी है। मानदेय के आधार पर मिली नौकरी से दोनों खुश हैं और बताते हैं कि दिन भर जंगल में बिताने से बेहतर है कि यहां काम कर कुछ पैसे मिल जाएं। इससे घर परिवार का खर्च चल जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा पहाड़ी कोरवाओं को दी जा रही नौकरी की सराहना करते हुए कहा कि हमारी कड़ुवाहट भरी जिंदगी में नौकरी से मिठास जरूर आयेगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में जिले के पहाड़ी कोरवाओं तथा बिरहोरों को योग्यता के आधार पर मानदेय में नौकरी पर रखने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में पीवीटीजी के 19 युवाओं को अस्पतालों में विभिन्न पदों पर रखा गया है।

बालोद जिले की मत्स्य सहकारी समितियों के 8 पदाधिकारियों को मिला नई दिल्ली में प्रशिक्षण

बालोद। जिला सहकारी संघ बालोद के तत्वावधान में मत्स्य सहकारी समितियों के 8 प्रशिक्षणार्थियों का दल 27 जुलाई को नई दिल्ली रवाना था। यह दल भारतीय राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र नई दिल्ली में मत्स्य सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त किया। नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण में सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए आने-जाने का खर्च, प्रशिक्षण, निवास एवं भोजन व्यवस्था तथा शैक्षणिक भ्रमण की व्यवस्था निशुल्क दी जाती है। इसके पूर्व भी बालोद जिले की विभिन्न सहकारी समितियों से प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। प्रशिक्षणार्थियों ने 29 से 31 जुलाई तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। नई दिल्ली जाने वाले प्रतिभागियों में परस राम, रामदास, हीराराम रघुराम जूरी,अजय कुमार नेताम,राकेश कुमार सलाम, कोमल निषाद, संतोष कुमार ढीमर व बेनुराम शामिल है। बालोद जिला सहकारी संघ की प्रबंधक श्रीमती स्नेहलता साव द्वारा नाश्ता लंच पैक, राइटिंग पैड,पेन, फोल्डर देकर रवाना किया था ।

सेवा सहकारी समिति जालबांधा में प्रशिक्षण का आयोजन

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान 26 जुलाई को सेवा सहकारी समिति मर्यादित जालबांधा, जिला –खैरागढ़ में एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के प्रबंधक श्री नरेश यादव, श्री आर एस नायक अंकेक्षण अधिकारी राजनांदगांव, लिपिक श्री पूरन लाल जंघेल एवं कृषक सदस्य श्री टीकम वर्मा, संतोष कुमार व अन्य कृषक सदस्य उपस्थित रहे। छग राज्य सहकारी संघ की प्रशिक्षिका आराधना वर्मा ने उपस्थित कृषक सदस्यों को सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, सहकारी समितियां के गठन पंजीयन के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही कुमारी वर्मा द्वारा कृषक सदस्यों को छत्तीसगढ़ शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया।

सहकारिता विभाग की योजनाओं से अवगत हुए हमीरगढ़ के कृषक

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा बस्तर संभाग के दुरस्त अंचलों में भी सहकारी शिक्षा-प्रशिक्षण पहुचाई जा रही है।

26 जुलाई 2024 को संभागीय कार्यालय जगदलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे ने सुकमा जिला के विकास खंड छिंदगढ अंतर्गत ग्राम हमीरगढ़ के रंगमंच मे आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजनान्तर्गत सदस्य सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

श्री पांडे ने प्रशिक्षण वर्ग के दौरान उपस्थित कृषक सदस्यों को सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित द्वारा प्रदत सेवाओं विशेष कर वित्तीय सेवा उत्पादन वृद्धि में सहायक सेवा विपणन व

प्रक्रिया की सेवाओं के साथ-साथ किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से प्रदत ऋण सेवाओं के संबंध में विस्तार से ज्ञान करवाया गया । प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में

ग्राम पंचायत हमीरगढ के पंचायत श्री फूलचंद बघेल एंव पंचो के साथ-साथ राज्य सहकारी संघ के श्री रोमांचल पाणिग्राही का विशेष सहयोग रहा।

छत्तीसगढ़ में महतारी का बढ़ा मान साय सरकार का अभिनव काम

■ **महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को एक हजार रूपये की मददी**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार माताओं-बहनों को सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त करने के साथ ही उनके मान-सम्मान को बढ़ावा देने का काम पूरी ईमानदारी से कर रही है, जिसके चलते महिलाओं में एक नया आत्म विश्वास जगा है। महिलाओं को आर्थिक मदद देने के लिए संचालित महतारी वंदन योजना के चलते राज्य की 70 लाख महिलाओं को अब अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी तरह की दिक्कत नहीं रही है। इस योजना के तहत महिलाओं के बैंक खाते में राज्य सरकार की ओर से हर महीने एक हजार रूपए की राशि पहुंच रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने महतारी के अनमोल योगदान के प्रतीक के रूप में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभिनव पौधरोपण अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने, पर्यावरण का संरक्षण और महतारी का सम्मान है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 5 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की माताओं और बहनों से किए अपने संकल्प को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को एक हजार रूपए की मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय महतारी वंदन योजना की छठवीं किश्त की राशि एक अगस्त को अंतरित करेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान के तहत राज्य में हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है। 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में 2 करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण किया किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत 4 जुलाई को की थी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास पर दहीमन का पौधा लगाया और नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोग अपनी मां के सम्मान में पेड़ लगाने के अलावा अपनी आस्था के अनुसार देवी-देवताओं के नाम पर भी पौधे लगा रहे है। सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण इलाकों में फलदार पौधे, लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों का रोपण हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि में भी इस अभियान के अंतर्गत पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में पेड़ लगाने का यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह मातृत्व का सम्मान करने का एक अनूठा तरीका भी है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

तेली सेमरा की महिलाओं को मिली सहकारिता के महत्व की जानकारी

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण बस्तर जिले के तेली सेमरा के आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा13 जुलाई को दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सहकारिता का महत्व, लाभ, उद्देश्य, नई समिति के पंजीयन के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। महिला बाल विकास आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुशीला चालाकी ने गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण तथा पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी प्रदान की।

मारेंगा के किसानों को मिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण

रायपुर। तोकापाल। तोकापाल विकास खंड के लैम्पस मारेंगा में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत सदस्य सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 जुलाई को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर द्वारा संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सरकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे द्वारा उपस्थित कृषक सदस्यों को सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित द्वारा प्रदत सेवाओ विशेष कर वित्तीय सेवा उत्पादन वृद्धि में सहायक सेवा विपणन व प्रक्रिया की सेवाओं के साथ-साथ किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से प्रदत ऋण सेवाओ के संबंध में विस्तार से ज्ञान करवाया गया। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में लैम्पस के समिति प्रबंधक श्री रात्रे एवं कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सहकारी संघ के श्री रोमांचल पाणिग्राही का विशेष सहयोग रहा।

सुमन के हौसले को मिली उड़ान, लखपति दीदी बनने का सपना हुआ साकार

■ **कपड़ा एवं फैंसी स्टोर्स खोलकर सुमन हो रही आर्थिक रूप से सशक्त**

नारायणपुर। जिले के ग्राम गढ़बेंगाल निवासी श्रीमती सुमन पहले आर्थिक रूप से बहुत की कमजोर थी। सुमन बताती है कि समूह से जुड़ने से पहले मेरे पति ठेकेदारी का काम करते थे। उनकी ठेकेदारी का काम ठीक से नही चलता था, जिस वजह से हम लोगों के उपर बहुत कर्जा था एवं हम लोगों का ज्यादा जमीन भी नही है, जिससे कि हम लोग खेती कर सके। छोटी-छोटी जरूरतो को पूरा कर पान हमे मुश्किल लगता था। मेरे परिवार में मेरी तीन बेटियों है तथा एक सासू माँ भी है, बच्चों की पढ़ाई लिखाई भी अच्छी से नहीं हो पाती थी। हम लोग बहुत पेरशान रहते थे।

महिलाओं को बिहान योजना में जोड़ने के लिए जब आन्ध्रप्रदेश से दीदी लोग आये तब उन्होंने बचत करने के लिए तथा कम ब्याज में पैसे लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के बारे में हम सभी महिलाओं को जानकारी दी मैने भी यह जानकारी सुना और ध्यान से समझा और मैं समूह में जुड़ गई।

समूह में जुड़ने के बाद सबसे पहले अपनी पति की ली हुई कर्जा को चुकाया तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारा ऐसे ही दिन बितते गये। फिर हम लोग ग्राम संगठन से जुड़े तथा ग्राम संगठन में नई-नई योजनाओं को सुना तथा मन में विचार आया क्यों न मैं भी कुछ काम करू। मैंने अपने आसपास देखा कही कपड़े एवं फैंसी की दुकान नही है। क्यो न मैं भी यही काम करती हूँ। तब मैने समूह की महिलाओं से बात कही। मेरे समूह वाले भी पैसे देने के लिए तैयार हो गये। मैने 2,00,000 (दो लाख रू.) से दुकान चालू की तथा दो लाख रूपये समूह को चुकाने के बाद 5 लाख रूपये फिर से समूह से उठाई हूँ। और दुकान चला रही हूँ। मैं मेरे इस काम से बहुत खुश हूँ तथा मेरी आर्थिक स्थिति भी सुधार गई। आज मैं अपने पैरो पर खड़ी हो गई हूँ।

मैं भविष्य के लिए अपने इस व्यवसाय को आगे बढाना चाहती हूँ। अभी मेरा दुकान छोटा है, मैं अपने इस दुकान को डबल मंजिल का बनाना चाहती हूँ। मेरी आय में बढ़ोत्तरी हो और फैंसी और कपड़ा दुकान को अलग-ललग खोलना चाहती हूँ और साथ में हार्डवेयर का दुकान भी डालना चाहती हूँ।

अब नहीं गिरती आँसुओं की बूँद, बहती है यहाँ पानी की धार

■ **नल जल योजना से जल संकट वाले गांवों में दूर होने लगी है पेयजल की समस्या**

कोरबा। यह कोरबा जिले के कोरबा विकासखण्ड के अंतर्गत पहाड़ों से घिरा विमलता गाँव है। भले ही इन गांव में रहने वाले परिवारों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन पानी को लेकर यहाँ की समस्या बहुत बड़ी है। गर्मी क्या आई ? गाँव का हैंडपंप जलस्तर नीचे जाने से जवाब दे जाता था। इस गांव के लोगों ने ऐसे कई गर्मी के मौसम देखे हैं, जो उन्हें पानी के बूँद-बूँद के लिए मोहताज करते हुए उनकी आँखों से आँसुओं के बूँद गिराए हैं। अब जबकि गाँव में जल जीवन मिशन से घर-घर नल लग गया है तो यहाँ पीने के पानी के लिए गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को आँखों से आँसुओं की बूंद नहीं गिराना पड़ता। गाँव में लगे नल और घरों के कनेक्शन से उन्हें गर्मी और बरसात में स्वच्छ पानी की धार मिल जाती है। उन्हें लगभग एक किलोमीटर दूर पहाड़ के नीचे मुसीबत मोल लेकर खतरनाक ढोढ़ी में पानी भरने नहीं जाना पड़ता।

कोरबा ब्लाक के नकिया पंचायत अंतर्गत ग्राम विमलता में जल जीवन मिशन के माध्यम से नल कनेक्शन घर-घर लगाया गया है। जल संकट वाले इस ग्राम में हर साल गर्मी के दिनों में पानी की समस्या विकराल हो जाती थी। बारिश के समय जान जोखिम में लेकर पहाड़ के चट्टानों के बीच ढोढ़ी का पानी निकालना पड़ता था। इस दौरान पत्थरों के फिसलन होने से गिरने का खतरा भी बना रहता था। वे मटमैला पानी पीने मजबूर थे। ग्राम विमलता की महिला रामवती बाई, फुसुन्दरी बाई ने बताया कि गर्मी आते ही सभी को पानी के लिए जूझना पड़ता है। जलस्तर नीचे चले जाने के बाद समस्या और भी बढ़ जाती थी। बारिश के समय बहुत कम पानी से काम चलाना पड़ता था। अब घर में नल का कनेक्शन लग जाने से सुबह शाम पानी उपलब्ध हो जाता है। उन्हें 01 किलोमीटर दूर ढोढ़ी से पानी नहीं लाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में पानी की समस्या देखकर रोना आ जाता था। ग्रामीण दिलमती बाई ने बताया कि पास का हैण्डपम्प से लगातार पानी निकालने से हैंडपंप भी बिगड़ जाते थे। गांव में सोलर ड्यूल पंप लगा है, जिससे गांव वालों को आसानी से पीने का पानी मिलने लगा है। उन्होंने बताया कि घरों में पेयजल के लिए सबसे ज्यादा महिलाओं को ही परेशानी उठानी पड़ती थी। उन्हें ही दूर कहीं से पानी लाना पड़ता था। अब ऐसी समस्या दूर हो गई है। गाँव के जनेऊ सिंह का कहना है कि घर-घर नल लगाना बहुत अच्छी पहल है। इससे स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। घरों में नल का कनेक्शन भी लगा है। पानी की सप्लाई से गाँव वालों को राहत मिलने लगी है। सोलर ड्यूल पंप लग जाने से 24 घण्टे पानी की सुविधाएं मिल गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव द्वारा हर घर पेयजल पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा दूरस्थ ग्रामों में क्रेडा के सहयोग से सोलर ड्यूल पंप स्थापित कराकर घरों में नल कनेक्शन दिया गया है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या कम हो गई है। उन्हें घर पर ही पानी उपलब्ध हो पा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सियाबती का पक्का मकान बनाने का सपना हुआ साकार

नारायणपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने आवासहीन परिवारों को पक्की छत देने के लिए कृतसंकल्पित है। यह योजना न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक है,बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर आवास भी प्रदान करती है। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में गरीब परिवारों को उनका खुद का पक्का मकान मिल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की इसी पहल से नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत टीमनार निवासी सियाबती पिता मानकू का पक्का मकान बनाने का सपना साकार हुआ है। सियाबती ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। उन्होंने पुराने दिनों की कठिनाइयों को याद करते हुए बताया कि पहले कच्चे घरौंदे में रहना काफी तकलीफदायक था। मौसम के अनुसार विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था, कभी छत टपकती थी तो कभी ठंड से रात भर नींद पूरी नहीं होती थी। अब पक्का मकान मिलने से उनकी ये समस्याएं दूर हो गई हैं। प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने से हितग्राही बहुत खुश हैं एवं अपने नवीन आवास में निवासरत हैं।

हितग्राही अब स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय एवं उज्वला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन से लाभान्वित है। सियाबती ने जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभ पहुंचाने के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जिससे वें लोग बिना परेशानियों का अपना जीवन व्यतीत कर सकें। आज इस योजना का लाभ सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने इस योजना के माध्यम से कई परिवारों की जिंदगी को बदल दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना न केवल लोगों को आवास प्रदान करती है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर जीवन जीने का अवसर भी देती है।

अपने काम को पूरी ईमानदारी और दक्षता से करना ही देशसेवा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। आप जिस रूप में भी देश की सेवा करना चाह रहे हैं, उस रूप में देश की सेवा कर सकते हैं। एक अच्छा डॉक्टर बन मरीजों की सेवा कर देश की सेवा कर सकते हैं, जनप्रतिनिधि बनकर जनता की समस्याएं दूर कर लोगों की मदद कर सकते हैं। अपने काम को बेहतर तरीके से और पूरी ईमानदारी से करना ही, आज के समय में सच्ची देश सेवा है। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधानसभा परिसर भ्रमण के लिए कृष्णा पब्लिक स्कूल तुलसी, रायपुर से आए बच्चों के प्रश्नों के उत्तर में कही। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय से बच्चों ने सदन में विपक्षी विधायकों के सवाल-जबाव, विधानसभा क्षेत्रों की समस्याएं दूर करने और अंतर्विभागीय समन्वय से जुड़े सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यवाही के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि सबसे पहले प्रश्नकाल होता है और इसके पश्चात सदस्य यदि किसी महत्वपूर्ण बिंदु पर ध्यानाकर्षण करना चाहते हैं, तो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेकर आते हैं। इसी तरह से उन्होंने शून्यकाल, तारांकित, अतारांकित प्रश्न, अन्य प्रस्ताव, बजट के ऊपर एवं विधानसभा में होने वाली अन्य चर्चाओं एवं विधानसभा संचालन और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की समस्याएं दूर करने के लिए विधायकों के पास विधायक निधि होती है। इसके अलावा विभागीय बजट से भी कार्य स्वीकृत किए जाते है। विधायकों को मतदाता चुनकर भेजते हैं और क्षेत्र का विकास उनकी जिम्मेदारी होती है, इसलिए वो लगातार सवाल करते है। दो विभागों के बीच विवाद की स्थिति को लेकर बच्चों की जिज्ञासा दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि नीति और नियत साफहै तो ऐसी स्थिति नहीं बनती है। मुख्यमंत्री श्री साय के लंबे संसदीय अनुभव से बच्चों को बहुत सारी जानकारियां मिली और उन्होंने मुख्यमंत्री को उत्सुकता के साथ सुना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि आप सभी निष्ठा से परिश्रम करते रहेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। निजी स्वार्थ को छोड़कर हमें देशहित के लिए हमेशा समर्पित होकर कार्य करना होगा। जिस भी रूप में आप देशसेवा करना चाहते हैं, उसे तय कर इस दिशा में प्रयास करते रहें। मुख्यमंत्री ने बताया कि 10 साल की उम्र में मेरे पूज्य पिताजी का देहांत हो चुका था और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं मुख्यमंत्री के पद तक पहुंच पाउंगा। मेरी इच्छा उन्नत किसान बनने की थी। लेकिन इस सफर में जो जिम्मेदारियां मुझे मिली, मैं उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाता रहा।

'हल्दी से आयेगी दीदियों के जीवन में समृद्धि'

दंतेवाड़ा। हल्दी (टर्मरिक) एक भारतीय वनस्पति है यह अदरक की प्रजाति का 5 से 6 फिट बढने वाला पौधा है जिसमें जड़ की गाठो में हल्दी मिलती है हल्दी को आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि मानी गयी है। इसके अलावा भारतीय रसोई में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी भारतीय समाज में इसको बहुत शुभ समझा जाता है विवाह में तो हल्दी की रस्म का एक विशेष महत्व है। हल्दी का उपयोग धार्मिक कार्यो के अलावा मसाला, रंग सामग्री, औषधि तथा उबटन के रूप में किया जाता रहा है। औषधि एवं घरेलू उपयोग में उपयोगिता इस प्रकार है। इसके साथ ही हल्दी में कैंसर रोधी गुण भी पाये जाते है। इस क्रम में विकासखण्ड कुआकोंडा के 5 ग्रामों को हल्दी की पैदावार के अनुकुल वातावरण के मददे नजर चयन किया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' के तहत स्थानीय स्व सहायता की दीदियों को हल्दी उत्पादन, करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस कड़ी में ग्राम रेंगानार, गढ़मिरी, कुआकोण्डा, हल्बारास, मैलावाड़ा, गोगपाल के इच्छुक 50 महिलाओं को उद्यानिकी विभाग से 20 क्विंटल हल्दी बीज प्रदाय की गई है और समुह की दीदियों ने 40-40 किलो अपने बाड़ी में हल्दी गाठों का रोपण किया है। इस प्रकार हल्दी उत्पादन इस वर्ष होने पर अगले वर्ष इस हल्दी को मां दन्तेश्वरी महिला फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड कुआकोण्डा के द्वारा खरीदी भी की जायेगी।

खरीदी कर इस हल्दी का समूह के द्वारा प्रसंस्करण कर जिले के सी-मार्ट दुकान तथा थोक किराना दुकानों में सप्लाई करने की योजना है। जिसमें उत्पादन करने वाली समूह के महिलाए को स्थानीय स्तर पर विक्री करने का स्थान तथा उचित दर प्राप्त होगा। यूं तो जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हल्दी की खेती पूर्व से ही की जाती रही है। परन्तु एक वृहत पृष्ठ भूमि में व्यवसायिक दृष्टिकोण से इसका रोपण लगभग नगण्य है। इसे दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' द्वारा हल्दी की खेती को महिलाओं की आर्थिक समृद्धि एवं आजीविका से जोड़ते हुए पहल की जा रही है और उम्मीद किया जा सकता है कि निश्चित ही महिलाएं हल्दी का व्यवसायिक उत्पादन कर अपने आर्थिक समृद्धि को बढ़ाएगीं।

सहकारिता आयुक्त ने ग्रामीण सेवा सहकारी समिति सेजबहार में पैक्स कम्प्यूटीकरण का लिया जायजा

■ **सहकारिता आयुक्त ने नेक्टर अधिकारियों को कम्प्यूटरीकरण में आ रही दिक्कतो को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिये।**

रायपुर। आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छग श्री कुलदीप शर्मा (आईएएस) ने 18 जुलाई 2024 को ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेजबहार में पैक्स कम्प्यूटरीकरण का अवलोकन किया। उनके द्वारा कम्प्यूटरीकरण में आ रही दिक्कते के बारे में जानकारी ली एवं इसके लाभ की भी जानकारी लिया गया। उन्होने समिति स्तर पर कॉमन सर्विस सेंटर तत्काल चालू करने का निर्देश दिया। किसानों को केसीसी ऋण वितरण पश्चात उनके मोबाईल में मैसेज के माध्यम से जानकारी देने तथा किसानों से ऋण वसूली के समय भी कम्प्यूटर के माध्यम से वसूली का प्रावधान करने अधिकारियों को निर्देश दिये।

आयुक्त सहकारिता ने कम्प्यूटरीकरण में आ रही दिक्कतों को शीघ्र दूर करने नेक्टर के अधिकारियों को निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान संयुक्त आयुक्त डीपी टावरी, उप आयुक्त एनआर चंद्रवंशी, अपेक्स बैंक से महाप्रबंधक युगल किशोर, विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री अविनाश श्रीवास्तव, नाबार्ड से अंकुर भद्रा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर से सहायक यंत्री श्री एसपी चंद्राकर, शाखा प्रबंधक दुर्गेश शिंदे, पर्यवेक्षक टीकम मिश्रा तथा सहकारिता विभाग के अंकेक्षक पीसी ध्रुव, शशांक बल्लेवार संस्था के प्राधिकृत अधिकारी श्रीमती कीर्ति नायक, नेक्टर कंपनी से सीताराम एवं राहुल बिसेन तथा संस्था के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ट्राइबल कोऑपरेटिव से हुए अवगत

■ **अध्ययन भ्रमण में देश भर के 2023 बैच के 27 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी हुए सम्मिलित**

धमतरी। सहकारिता विभाग ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को छत्तीसगढ़ में ट्राइबल कोऑपरेटिव का अध्ययन भ्रमण वनोपज प्रसस्करण केंद्र दुगली जिला धमतरी में कराया। जिसमें देश भर के 2023 बैच के 27 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को नेमीचंद देव सहकारिता विस्तार अधिकारी ने आदिवासी क्षेत्रों में सहकारिता का प्रभाव जिसमें मुख्य रूप से अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण, कृषि आदान, समर्थन मूल्य धान खरीदी के बारे में जानकारी दी। सुरेश साहू प्रबंधक प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति दुगली ने सहकारी समिति के माध्यम से ट्राईबल्स को होने वाले लाभ एवं संघ के द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। गुड्डू दुफरे सीनियर एग्जीक्यूटिव वनोपज प्रसंस्करण केंद्र दुगली ने प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के संग्राहकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर संग्रहित लघु वनोंपज के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं उत्पाद का विपणन के संबंध में जानकारी दी। उपायुक्त सहकारिता जिला रायपुर एनआरके चंद्रवंशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियो के द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज उत्पाद क्रय करने से मार्केट रेगुलेशन का कार्य हुआ है विशेषकर ट्राइबल क्षेत्र में वनोपज संग्राहक उचित मूल्य प्राप्त कर रहे है एवं उनके जीवन स्तर में आर्थिक सामाजिक रूप से सुधार हो रहा है। प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने प्रसंस्करण केंद्र का भ्रमण कर समस्त उत्पादों के प्रसंस्करण की गतिविधियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन राज्य संघ प्रशिक्षक राजेश साहू ने किया एवं आभार प्रदर्शन सहकारिता विस्तार अधिकारी सुमित डडसेना ने किया। साथ ही कार्यक्रम के अंत में ग्रुप लीडर बूसरा बानो ने भ्रमण कार्यक्रम आयोजन में सम्मिलित समस्त अधिकारियों कर्मचारियों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ये रहे उपस्थित

भ्रमण कार्यक्रम में टीम के ग्रुप लीडर बुशरा बानो, देवेश चतुर्वेदी एजीएल, कुश मिश्रा ट्रेजरर, कृतिंका शुक्ला सहायक ट्रेजरर, सैयद मुस्तफा हाशमी मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, अभिनव जी कार्यकारी अधिकारी, भ्रमण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रायपुर जिले के उप आयुक्त सहकारिता एनआरके चंद्रवंशी, योगेंद्र ठाकुर शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर शाखा नगरी, उपस्थित रहे।

इफको नैनो उर्वरक के उपयोग पर संभागीय संगोष्ठी का आयोजन

■ **सहकारिता और इफको के जानकारों ने रखे विचार**

बिलासपुर। इफको एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में 26 जुलाई को होटल जीत कंटीनेन्टल बिलासपुर के सभाकक्ष में इफ्को नैनो उर्वरक उपयोग आधारित संभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में श्री संतोष कुमार शुक्ल, संयुक्त महाप्रबंधक, सहकारिता संपर्क, इफ्को नई दिल्ली के मुख्य आतिथ्य में एवं श्री शशिकांत द्विवेदी प्रतिनिधि आमसभा इफ्को नई दिल्ली तथा संचालक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

संभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डा. लक्ष्मीकांत द्विवेदी, प्रदेश अध्यक्ष सहकार भारती, श्री आर. एस. तिवारी, राज्य विपणन प्रबंधक, इफ्को रायपुर, श्री जगदीश भारती, इफ्को आमसभा सदस्य, डा एस के सिंह, उप महाप्रबंधक कृ. सेवाएं इफको रायपुर, डा अरुण त्रिपाठी, के वी के बिलासपुर इंचार्ज, श्री सुनील सोढीजी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर, श्री आशीष दुबे, नोडल, सहकारी बैंक, डा दिनेश पाण्डेयजी, वैज्ञानिक कृषि महाविद्यालय बिलासपुर तथा डी पी सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे।

नैनो उर्वरक उपयोग आधारित संगोष्ठी कार्यक्रम में जिला बिलासपुर के सभी शाखा प्रबंधक गण एवं पर्यवेक्षक गण के साथ-साथ समिति प्रबंधक गण तथा ड्रोन उद्यमियों एवं नमो ड्रोन दीदी ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। कार्यक्रम में इफको नैनो यूरिया प्लस तरल एवं नैनो डीएपी के उपयोग विधि, फसलोत्पादन में लाभ, पर्यावरण अनुकूलता एवं इफ्को उत्पादों का समितियों के व्यावसायिक विविधिकरण में योगदान तथा मृदा एवं जल संरक्षण पर विस्तृत जानकारी चर्चा के दौरान दिया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को इफ्को के अन्य उत्पाद जैसे नैनों उर्वरक, सागरिका एवं अन्य विशिष्ट उर्वरकों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में चर्चा के दौरान ही इफ्को के अन्य विशिष्ट एवं सूक्ष्म पोषक तत्व आधारित उर्वरकों, जैव तरल, जल विलेय उर्वरक पर विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दिया गया।

रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग घातक : द्विवेदी

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए इफ्को नई दिल्ली के आम सभा प्रतिनिधि शशिकांत द्विवेदी ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि, रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण, तथा धरती माता का स्वास्थ्य दिनों दिन खराब होता जा रहा है। इससे न केवल जमीन बंजर होती जा रही बल्कि भविष्य में ऑक्सीजन की भी कमी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर हमें विचार करना होगा। साथ ही सहकार से समृद्धि की ओर कदम बढ़ाते हुए पैक्स और लैंप्स को मजबूती प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कई नए नियम बनाए हैं। यथा च्वाइस सेंटर, जन औषधि केंद्र, एलपीजी कनेक्शन, पेट्रोल पंप एवं जेम पोर्टल से खरीदी किए जाने का भी अधिकार लैंप्स और पैक्स को दिया जा रहा है। इससे न केवल समितियों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। संगोष्ठी को डॉक्टर लक्ष्मीकांत द्विवेदी, राज्य विपणन प्रबंधक आर एस तिवारी, अरुण त्रिपाठी जी, दिनेश पांडे, डॉक्टर एस के सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

लागत में कमी और पैदावार में बढ़ोत्तरी होगी : शुक्ला

इफ्को नई दिल्ली के संयुक्त महाप्रबंधक श्री शुक्ला ने नैनो जैव उर्वरक पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि, इसके उपयोग से न केवल किसानों के लागत में कमी आएगी बल्कि पैदावार में भी वृद्धि होगी। श्री शुक्ला ने यह भी बताया कि नैनो उर्वरक के छिड़काव के लिए नमो ड्रोन दीदियों को केंद्र सरकार की योजना के अनुसार इफ्को की ओर से ड्रोन भी मुहैया कराया जा रहा है। साथ ही क्लस्टर विलेज में किसानों को छूट दी जा रही है उसकी भरपाई इफ्को द्वारा की जाएगी।

स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक छग राज्य सहकारी संघ रायपुर द्वारा मयंक ऑफसेट रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- झुनमुन गुप्ता (प्रधान संपादक), रविन्द्र सिंह भाटिया (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाईट www.cgcoop.in E-mail: cgcoopnews@gmail.com